newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - २५ | १० से १६ जुलाई २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

लघुशंका का राजकारण ?

मध्यप्रदेश में एक व्यक्ति के आदिवासी युवक के ऊपर लघुशंका करने की तस्वीर आने के बाद स्वाभाविक ही समाज में जड़ें जमाकर बैठी मध्ययुगीन सोच को लेकर चिंता जताई जा रही है। हालांकि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके घर पर बुलडोजर चला कर अवैध निर्माण ढहा दिया गया है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उस आदिवासी युवक के पांव पखारे और उससे माफी भी मांगी। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि क्यों समाज में इस तरह की मानसिकता जड़ें जमाए बैठी है कि तथाकथित ऊंची जाति के लोग मौका मिलते ही किसी दलित, किसी आदिवासी की अस्मिता को कुचलने, उसका मान मर्दन करने में तनिक संकोच नहीं करते। बताया जा रहा है कि आदिवासी युवक पर लघुशंका करने वाला आदमी मध्यप्रदेश के एक विधायक का प्रतिनिधि है। जिस विधायक का प्रतिनिधि बताया जा रहा है, उस विधायक पर खुद भी दबंगई और आदिवासियों की जमीन हड़पने, अपनी आलोचना करने वाले पत्रकारों-संस्कृति कर्मियों-बुद्धिजीवियों के दमन आदि के अनेक आरोप लगते रहे हैं। जाहिर है, उनके प्रतिनिधि को इस तरह का कुकृत्य करने का साहस वहां से भी मिला होगा। सत्ता की ताकत मिलने के बाद इस तरह कानूनों की धज्जियां उड़ाने का यह अकेला उदाहरण भी नहीं है। हालांकि दलितों, आदिवासियों के मानवाधिकारों, उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने के खिलाफ कड़े कानून हैं, मगर अक्सर सवर्ण कही जाने वाली जातियों के रसूखदार लोगों को उन कानूनों की धज्जियां उड़ाते देखा जाता है। यह केवल राजनीतिक ताकत हासिल कर चुके लोगों में नहीं, सामान्य लोगों में भी तथाकथित उच्चता के दंभ की वजह से प्रकट होता रहता है।इसकी एक वजह यह भी है कि कानून का पालन कराने वालों में बहुसंख्यक वही लोग हैं, जो समाज की उच्च कही जाने वाली जातियों से संबंध रखते हैं। इसीलिए अक्सर दलितों, आदिवासियों के खिलाफ जब अत्याचार की कोई घटना होती है तो अक्सर थानों में उसकी प्राथमिकी दर्ज करने में टालमटोल किया जाता है। अनेक बार बलात्कार की शिकार दलित महिलाओं को समझा-बुझा या डरा-धमका कर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया जाता है। इस तरह एक भरोसा ऐसी जातियों के लोगों के मन में बना हुआ है कि अगर वे दलितों, आदिवासियों के साथ कुछ अमानवीय व्यवहार करते भी हैं, तो उन्हें कोई कठोर सजा नहीं मिलने वाली। मध्यप्रदेश में जिस व्यक्ति को आदिवासी युवक पर लघुशंका करते देखा गया, वह भी समाज की इसी संकीर्ण सोच से अनुप्राणित है। इसलिए बेशक उसे गिरफ्तार कर लिया गया है, उसके घर के कुछ हिस्सों को बुलडोजर से गिरा दिया गया है, मगर इससे उसकी सोच भी बदल गई है, इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती। विचित्र है कि पढ़-लिख कर ओहदा हासिल कर लेने और राजनीतिक रसूख पा जाने के बाद भी जब लोगों की ऐसी मानसिकता नहीं बदलती, तो समाज में तथाकथित नीची कही जाने वाली जातियों के प्रति सदियों से जड़ें जमाई सोच को बदलना कितना आसान होगा। इस दिशा में राजनीतिक इच्छाशक्ति का सर्वथा अभाव दिखता है। राजनीतिक दल वोट के लिए बड़े-बड़े सिद्धांतों की बातें करते हैं, मगर अफसोस कि वे अपने कार्यकर्ताओं में उसे व्यावहारिक रूप में नहीं उतार पाते। जब तक व्यावहारिक धरातल पर दलितों, आदिवासियों के प्रति सम्मान पैदा नहीं होगा, उनके साथ ऐसी घटनाएं नहीं रुकने वाली।

कई अपराधों का वंचित आरोपी पुलिस के शिकंजे में

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड : मीरा-भायंदर और वसई- विरार पुलिस के लिए सिरदर्द बना एक कुख्यात अपराधी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ ही गया। आरोपी ने १२ साल की उम्र से अपराध की दुनिया में कदम रखा, जो २१ की उम्र तक २७ से भी अधिक चोरी व डकैती के मामलों को अंजाम दे चुका है। डीसीपी (क्राइम) अविनाश अंबुरे ने बताया कि ३ अप्रैल २०२३ को रहीम इस्माइल डाय अथर नामक व्यक्ति ने माणिक पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, वे किसी कार्यवश तीन दिन के लिए बाहर गए थे, वापस आने पर उनके घर का दरवाजा खुला मिला। कोई अज्ञात व्यक्ति घर का ताला तोडक़र लाखों के जेवरात व नकदी लेकर चंपत हो गया। पुलिस तभी से हाथ-पैर मार रही थी, लेकिन आरोपी का सुराग नहीं मिल पाया। वसई-विरार तब तक यह आरोपी १२ डकैती व चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका था। जिसमें ६ मामले विरार पुलिस स्टेशन में ही दर्ज थे। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू की तो आरोपी कुछ वारदातों की जगह पर सीसीटीवी फुटेज में देखा गया। करता था कि जहां सीसीटीवी कैमरे

नहीं हों, उसी जगह को टार्गेट जाए. किया लेकिन कहीं न कहीं तो उसे फंसना ही था। पुलिस काफी दिनों से तांत्रिक यंत्रणा के माध्यम से आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी. लेकिन वह बार- बार जगह बदलता रहा। आखिरकार पुलिस को सफलता हाथ लग गई। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी १२ साल की उम्र में वर्ष २०१४ में ही डकैती व चोरी जैसे अपराध कर चुका है। उसके खिलाफ एनआरआई कैंप सागरी पुलिस मुंबई में मामला दर्ज हुआ था, जिसके बाद उसने मुडक़र नहीं देखा और डकैती, चोरी जैसी वारदातों को करने में महारत हासिल की। मुंबई पुलिस आयुक्तालय के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में १४ मामले और गुजरात स्थित सूरत शहर के खांडवा पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज है, जबकि मीरा- भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के १२ मामलों का वह वांछित आरोपी था।

सायबर क्राईम की कार्यकुशलता से जालसाजी की रकम मिली

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड, क्रिप्टो करेंसी खरीदने के मामले में साइबर ठगी का शिकार हुए मीरा रोड के योगेश जैन की ३६ लाख रुपए रकम चीन के एक नागरिक से वापस प्राप्त करने में मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के साइबर सेल को सफलता मिली थी. साइबर ठगी से विदेश में चली गई इतनी बडी रकम वापस प्राप्त करने की यह पहली घटना थी, जिसकी दखल गृह मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाली इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर आई सी ने दखल ली थी और मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की साइबर सेल ने यह सफलता कैसे प्राप्त की? इसका प्रेजेंटेशन देश के सभी साइबर सेल थानों और जांच एजेंसियों को करने का आग्रह किया था. शनिवार शाम ४ बजे पुलिस आयुक्तालय के जरिए इस अभियान का ऑनलाइन प्रस्तुति करण किया गया, जिसे देश भर के ३०० से अधिक साइबर पुलिस थाने, केंद्रीय व राज्य की प्रमुख जांच एजेंसियां ने हिस्सा लिया.

हम अजीत पवार का स्वागत करते हैं उनके पास दो तिहाई बहुमत है - आठवले

जेकेएस संवाददाता

भायंदर: राज्य की शिंदे-फडणवीस की सत्ता में अजित पवार के शामिल होने से हम अब २०२४ के लोकसभा चुनाव में ४२ से अधिक और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में ३२५ से अधिक सीटें हम जीतेंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सही मायने में अजित पवार की पार्टी है। पवार ने सही समय पर सही निर्णय लिया है, ऐसा मत केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भायंदर में व्यक्त किया। दलित पैंथर के स्वर्ण महोत्सव की तैयारियों का जायजा लेने आठवले मंगलवार को भायंदर पश्चिम के मैक्सिस मॉल हॉल में आए हुए थे। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हम अजीत पवार का स्वागत करते हैं। उनके पास दो तिहाई बहुमत होगी । इसके सिवा वे शपथ विधि के लिए नहीं जाते। आठवले ने बताया कि ९ जुलाई को स्व.लता मंगेशकर नाट्य गृह में दलित पैंथर का स्वर्ण महोत्सव

दलित पैंथर स्वर्ण महोत्सव संपन्न

मनाया गया। इस महोत्सव में मुंबई, ठाणे ,मीरा - भायंदर,पालघर आदि क्षेत्र से बड़ी संख्या में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारी ,कार्यकर्ता शामिल हुए। इस महोत्सव की तैयारियों तथा इसे सफल बनाने की जिम्मेदारी मीरा भायंदर शहर आरपीआई के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शेलेकर को सौंपी गई थी। दलित पैंथर संगठन के बारे में जानकारी देते हुए आठवले ने कहा कि वर्ष १९७२ में महाराष्ट्र दलितों के एक शिक्षित समूह, युवा दलित लेखकों व क्रांतिकारी विचारधारा के कवियों ने दलित पैंथर नामक संगठन बनाया था। आंबेडकरवाद, मार्क्सवाद व नीग्रो साहित्य से प्रभावित इन लोगों ने उस जाति व्यवस्था के बहिष्कार को लक्ष्य बनाया जो उनके अनुसार ब्राह्मणवादी हिंदूवाद पर आधारित थी। दलित पैंथर संगठन के पुनर्गठन पर मंथन करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आठवले ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार सबका साथ, सबका विकास, सब का प्रयास की वजह से आज देश प्रगति कर रहा है। मोदी, बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान के सिद्धांतों के अनुसार ही कार्य कर रहे हैं । वर्तमान परिस्थिति में किसी एक धर्म जाति पाती के वोटों से चुनाव नहीं जीती जा सकती, इसलिए धर्म, जाती- पाती से ऊपर उठकर देश की प्रगति के लिए सभी को कार्य करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने समान नागरिक संहिता पर भी अपने विचार रखे और उसका समर्थन किया। मीरा भायंदर शहर आरपीआई (आठवले) के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शेलेकर ने दलित पैंथर के स्वर्ण महोत्सव के अवसर पर सभी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को उपस्थित हुए।

सबीना की सफलता से मुस्लिम समुदाय के बारे में फैलाई गई दुष्प्रचार को दूर करने में मदद- मुजफ्फर हुसैन

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : एक गरीब परिवार की लड़की सबीना शकील अंसारी को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में शानदार सफलता के लिए कांग्रेस नेता, पूर्व विधायक मुजफ्फर हुसैन ने शॉल, पुष्पगुच्छ और ५१ हजार रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सबीना के पिता की मीरारोड पूर्व के क्वींस पार्क इलाके में बेकरी

की दुकान है। आईएएस की परीक्षा केंद्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है। एक छोटे से व्यवसाय से अपने परिवार का भरण-पोषण और आर्थिक कठिनाइयों के बाद भी सबीना ने तीन प्रयासों के बाद इस परीक्षा में यश हासिल किया। सबीना ने उर्दू माध्यम से बांद्रा में अध्ययन करने के बाद रूपारेल कॉलेज, मुंबई से बीएससी केमिस्ट्री में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। दृढ़ संकल्प, लगन, कड़ी मेहनत और अपने माता-पिता के आशीर्वाद से सबीना ने विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाकर सफलता हासिल की है। सबीना के सत्कार के दौरान पूर्व विधायक मुजफ्फर हुसैन ने कहा कि सबीना की सफलता से मुस्लिम समुदाय के बारे में फैलाई गई दुष्प्रचार को दूर करने में मदद मिलेगी और भविष्य में मुस्लिम समुदाय के बुद्धिमान बच्चे देश के समग्र विकास के लिए अपनी सेवाएं और योगदान देंगे। इस अवसर पर मदरसा सुलेमानिया ट्रस्ट, मौलाना, धर्मगुरु, मीरा भायंदर कांग्रेस जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी, पूर्व नगरसेवक उपस्थित थे।

क्यों है मेहरबान मनपा के अधिकारी इरफान पठान पर

मीरा भाईंदर महानगरपालिका प्रभाग क्रमांक २ के अंदर गणेश देवनगर शिमला गली लास्ट में नमक की खाली जगह पर कब्जा करके इरफान इमाम पठान अवैध रूम बनाई दो बार तोडी मनपा ने और साइड विभाग ने मिलकर फिर तीसरी डंके की चोट पर अवैध

रूम बनाई इस रूम की शिकायत आला अफसरों से की गई तब जाकर इरफान पठान पर भाईंदर पुलिस स्टेशन में गुनाह दाखल हुआ और इस रूम को तोडने के लिए नमक विभाग के अधिकारी ने एमआरटीपी करके पूरी रूम ध्वस्त करने का लेटर लिखा लेकिन प्रभाग क्रमांक २ के

प्रभाग अधिकारी संजय दोंदे.

प्रभाग अधिकारी संजय दोंदे. अब तक कोई कार्यवाही नहीं की कब करेंगे कार्रवाई जनता देखना चाहती है. संजय दोंदे क्यों है पठान पर मेहरबान ? क्या है पूरा मामला इसकी कारवाई होनी चाहिए भुमाफियाओ को एमबीएमसी अधिकारी क्यों बचाते जनता मांग रही जवाब.

प्रभाकर मात्रे प्रभाग ६ के प्रभाग अधिकारी नियुक्त होने पर जन कल्याण सेवा की संपादक सीमा गुप्ता पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन करते हुए चित्र में दिखाई दे रही है.

जितनी निधि हमारी सरकार ने इस शहर को दी उतनी निधी किसी सरकार ने नहीं दी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंबई – वर्सोवा कोस्टल रोड का विस्तार पालघर तक करने की बात कही है।वे मीरा भायंदर में ३००० करोड़ रुपए की लागत के विविध विकास कार्यों के भूमिपूजन और लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। शिंदे ने कहा कि हम पूरे एमएमआर में इन्फ्राट्रक्चर और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बढ़ाने का काम कर रहे हैं। एमएमआर में ३५० किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क बिछाया जा रहा है। मुंबई – वर्सोवा लिंक रोड को दो चरणों पहले विरार और फिर पालघर तक बढ़ाया जाएगा। ताकि एक बार मुंबई से गाड़ी शुरू हो तो तेज रफ्तार में सीधे पालघर पहुंचे। शिंदे ने कहा कि मेट्रो नेटवर्क बन जाने से सड़क पर गाड़ियों की भीड़ और घर पहुंचने की समय घटेगी और भीड़भाड़ भरी यात्रा से छुटकारा मिलेगा। शिंदे ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फूले अयोग्य जीवनदाई योजना पहले सिर्फ केसरी और पीले राशन कार्ड धारक परिवार के लिए थी। लेकिन राज्य की पूरी जनता के लिए लागू कर दिया गया है। इस योजना के तहत अब पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त में पाया जा सकेगा। दहिसर टोल नाका हटाने की विधायक गीता जैन की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दहिसर से भायंकर तक लिंक रोड बन जाने के बाद टोल का झंझट अपने आप खत्म हो जाएगा। इस पर टोल नही होगा। उन्होंने कहा कि मीरा भायंदर,मुंबई और ठाणे के बीच का शहर है। इसका विकास भी दोनों शहरों के बराबर होना चाहिए। जितनी निधि हमारी सरकार ने इस शहर को एक साल में दी है,उतनी किसी सरकार से कभी नहीं मिली थी। शिंदे ने कहा की महाराष्ट्र में जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे,तब महाराष्ट्र विदेशी निवेश के मामले में पहले नंबर पर था। सरकार बदली तो पीछे हो गया। लेकिन १ साल के भीतर फिर पहले नंबर पर आ गया है । लोकार्पण व भूमिपूजन कार्यक्रम पहले सुबह ११ बजे निर्धारित था।फिर २ बजे और उसके बाद ३ बजे का समय हो गया। राज्य की राजनीति में हुए बड़े उलटफेर के कारण मुख्यमंत्री का आना अचानक रद्द हो गया। फिर उनका आना तय हुआ। शाम ६ बजे मुख्यमंत्री कार्यक्रम में पहुंचे। इस बीच बालयोगी सदानंद महाराज के सानिध्य में विधायक प्रताप सरनाईक व गीता जैन ने भूमिपूजन कर दिए। शिंदे ने कहा कि एनसीपी का कार्यक्रम करना था। इसके लिए आने में विलंब हुआ। कुछ लोग बिना ऑपरेशन के ही ठीक हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार ने सरकार का काम और राज्य का विकास देखकर सरकार को समर्थन दिया है। इससे सरकार और मजबूत हो गई हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ लोग रोज सरकार गिरने की भविष्यवाणी करते थे। न जाने मुहूर्त कहां से निकलवाते थे।

शिक्षा के लिए जानलेवा सफर ! जान जोखिम में डालकर बच्चे पार करते हैं उफनता बांध

पालघर : पालघर में ऐसे कई हिस्से हैं, जहां लोगों को नाले नदी–पार कर अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए रोजाना जान जोखिम में डालनी पड़ती है। केंद्र की सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक देश की पहली चमचमाती बुलेट ट्रेन पालघर से होकर गुजरेगी। लेकिन यहां के क्षेत्र के कई हिस्सों में सड़क बुनियादी ढांचे की लगातार उपेक्षा हो रही है। पालघर के कोसबाड वरठा पाड़ा के लोगों के लिए मंजिल तक पहुंचने के लिए आज तक सड़क और पुल नहीं बन सका है। गांव के लोग और स्कूल जाने वाले बच्चे एक उफनते बांध को पार करके गंतव्य तक पहुंचने को मजबूर हैं। इसी बांध पर से जान हथेली में लेकर छोटे–छोटे बच्चे स्कूल जाने को मजबूर हैं। यहां तक कि मरीजों को कंधों पर लेकर अस्पताल पहुंचाना पड़ता है।आदिवासियों का ये गांव शहरी क्षेत्रों से कुछ ही दूरी पर है, लेकिन ये पूरा क्षेत्र विकास कार्यों से अछूता है। हालांकि, ग्रामीणों की मांग पर इस बांध पर एक पुल को पास किया गया है लेकिन वह लालफीताशाही में अटक कर रह गया है। बरसात में इस गांव के लोग कई दिनों तक अन्य भागों से कट कर रह जाते हैं, क्योंकि पानी से उफनते बांध से लोगों का आना–जाना संभव नहीं हो पाता।

लोगों ने आरोप लगाया कि हमारी समस्याओं पर न तो सरकार ध्यान दे रही और न ही इस क्षेत्र से चुनकर विधानसभा और लोकसभा पहुंचने वाले जनप्रतिनिधि दे रहे हैं। पुल नहीं होने की वजह से अगर कोई बीमार पड़ जाए या किसी गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने की जरूरत होती है तो उसे कंधों पर या डोली में लेकर जाना पड़ता है। एक बुजुर्ग ग्रामीण ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार डिजिटल इंडिया की बात करती है, लेकिन वर्षों से लगातार मांग किए जाने के बाद भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाएं तक नसीब नहीं हो सकी हैं। एक युवक ने कहा कि लोगों को अपने आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की चिंता है। मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन नारकीय हो गया है। कई वर्षों से वरठा पाड़ा के ग्रामीणों का यह जानलेवा सफर चल रहा है, लेकिन यहां सरकार की ओर से अक्षम्य उपेक्षा की जाती है। पुल स्वीकृत होने के बावजूद अभी तक काम शुरू नहीं हो सका है। लोगों ने पालघर के आदिवासी इलाकों की बदहाली को लेकर पूछा है कि आदिवासियों के विकास के लिए हर साल खर्च होने वाले करोड़ों रुपए कहां जाते हैं ? ग्रामीणों ने पूछा कि हम विकास से वंचित क्यों हैं ?

६ टन का ब्रिज गायब ! ठेकेदार ही निकला चोर, ईडी सरकार सोती रही

जेकेएस संवाददाता

मुंबई : राज्य की शिंदे–फडणवीस यानी ईडी सरकार के शासनकाल में राज्य और महानगर मुंबई की कानून–व्यवस्था खराब हो गई है। हत्या, लूट और महिलाओं के साथ अत्याचार के मामले तो घटित होते ही रहते हैं, अब चोरी की भी अजीबोगरीब घटनाएं हो रही हैं। मुंबई जैसे अंतर्राष्ट्रीय शहर में अब चोर सीधे ६ टन का पुल ही चोरी कर ले जा रहे हैं। मालाड के पास यह घटना हुई है। इस पुल के गायब होने के मामले में पुलिस ने फिलहाल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना ने लोगों को चौंका दिया है। लोगों के मन में सवाल है कि आखिर व्यस्त इलाके में स्थित पुल गायब कैसे हो गया ? रात तक तो पुल सही–सलामत था, लेकिन सुबह जब स्थानीय लोगों ने देखा कि पुल अचानक गायब हो गया है तो लोगों ने पुलिस को इसकी शिकायत की। जांच में पुलिस ने बताया है कि पुल को क्रेन की मदद से हटाया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पुल को अडानी इलेक्ट्रिसिटी का केबल सप्लाई के लिए बनाया गया था। पुलिस ने कहा है कि आरोपियों ने लोहे के पुल को तोड़ दिया और उसे ट्रकों में भरकर लेकर गए थे। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। गैस कटर से काट कर ले गए पुल जहां ये लोहे का पुल रखा हुआ था, वहां कोई सीसीटीवी नहीं लगा था। आस–पास के अन्य सीसीटीवी से पता चला कि कुछ लोगों ने गैस कटर की मदद से पुल को धीरे–धीरे काट दिया और बाद में उसे लेकर चले गए। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने गैस–कटर मशीनों के साथ पुल की ओर बढ़ रहे एक भारी वाहन की पहचान की है। पुलिस ने चोरी के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनमें से एक व्यक्ति कथित तौर पर उस फर्म से जुड़ा हुआ है, जिसे पुल बनाने का ठेका दिया गया था। अन्य तीन लोग उसके साथी बताए जा रहे हैं।

लापता

नाम – अशोक वोरीलाल जैन
उम्र– ६२
ग्राम–बलराई
वर्तमान पता – मीरा रोड
मीरा रोड से १ जुलाई से लापता, यदि आपके पास कोई जानकारी हो तो कृपया ९८६७९४५९२९ पर संपर्क करें

कबूतरों को दाना खिलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई

नई मुंबई, महाराष्ट्र में हाइपरसेंसिटिव निमोनिया और फेफड़ों की बीमारी के लगातार बढ़ते मामलों के चलते नई मुंबई महानगरपालिका ने कबूतरों को दाना खिलाने को लेकर चेतावनी दी है। नई मुंबई में इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर में बताया गया है कि कबूतरों के पंखों और बीट में पाए जाने वाले बैक्टीरिया से एचपी यानी हाइपरसेंसिटिव निमोनिया नामक फेफड़ों की बीमारी फैलती है। इतना ही नहीं एनएमएमसी द्वारा लगाए गए इन पोस्टरों में चेतावनी दी गई है कि कबूतरों को दाना खिलाने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। महानगर पालिका के आयुक्त राजेश नार्वेकर ने बताया कि ब्राजीलियन आर्काइव ऑफ बायोलॉजी एंड टेक्नोलॉजी जर्नल में एक रिसर्च पेपर के मुताबिक, कबूतर की बीट से इंसानों को ६० से ज्यादा खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। इनमें सबसे ज्यादा फेफड़ों से संबंधित बीमरियां है, जो जानलेवा हो सकती हैं। जसलोक अस्पताल से जुडे.पल्मनोलॉजिस्ट डॉ. राहुल पाहोट के अनुसार, हाइपरसेंसिटिव न्यूमोनिया के लक्षण एक्यूट या क्रॉनिक हो सकते हैं। एक्यूट के लक्षण कुछ घंटों के भीतर दिख सकते हैं और कुछ घंटों या दिनों तक बने रहते हैं, जबकि क्रॉनिक के लक्षण धीरे-धीरे विकसित हो सकते हैं। साथ ही ये समय के साथ और बदतर हो सकते हैं। यह बीमारी बच्चों को और बुजुर्गों को अपनी चपेट में तेजी से लेती है।

दवा न मिलने से हिंसक हो जाते हैं कैदी, गंभीरता से नहीं ले रही राज्य सरकार खाली पड़े हैं मनोचिकित्सक के पद

मुंबई : महाराष्ट्र की अधिकांश जेलों में उनकी क्षमता से अधिक कैदी हैं। इसके चलते इनमें से कई कैदी विभिन्न बीमारियों का सामना कर रहे हैं। इस सबके बीच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बहुत की चौंकानेवाली जानकारी दी है। उनके मुताबिक, प्रदेश की जेलों में मनोरोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की सभी जेलों में इस वक्त करीब ढाई हजार मनोरोगी कैदी हैं। इसके साथ ही यह बात भी सामने आई है कि मनोरोगी कैदीयों के इलाज के लिए जरूरी दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में मनोचिकित्सकों के ९७ स्वीकृत पदों में से ८१ पद खाली हैं। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र में कुल ६० जेल हैं, जिसमें नौ सेंट्रल, ३१ जिला, १९ खुली और एक खुली महिला जेल शामिल है। इन सभी जेलों की कुल क्षमता २४,७२२ है। हालांकि, जनवरी २०२३ के अंत में इन जेलों में कुल ४१,०७५ कैदी थे। इसमें ३९,५०४ पुरुष, १,५५६ महिलाएं और १५ किन्नर बैंदी शामिल हैं। राज्य की सभी जेलें खचाखच भरी हुई हैं, जिसमें मुख्य रूप से मुंबई, ठाणे, यरवदा और नागपुर सेंट्रल जेल शामिल हैं। विधानमंडल सत्र में कुछ विधायकों ने मुंबई जेल में क्षमता से ३२५ फीसदी, ठाणे जेल में २८८ फीसदी, यरवदा में १८० फीसदी और नागपुर जेल में ५६ फीसदी कैदियों के बंद होने का मुद्दा उठाया था। जिला स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों का कहना है कि विभिन्न जेलों में क्षमता से अधिक कैदी होने और उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने के कारण कई कैदी चर्म रोग से पीड़ित हैं। इसके साथ ही वे मानसिक रोगों के भी शिकार हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, अमरावती सेंट्रल जेल में मानसिक रूप से बीमार मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा ९७४ है, उसके बाद ठाणे सेंट्रल जेल में २०० मनोरोगी कैदी हैं। पिछले महीने यह पाया गया था कि मानसिक बीमारी के इलाज के लिए दवाएं कम मात्रा में उपलब्ध हैं। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने कहा कि जेल प्रशासन दवाओं की उपलब्धता पर नजर रख रहा है और यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि बैंदियों को उचित चिकित्सा सुविधाएं मिलें। ठाणे के बाद पालघर में १५० और नागपुर सेंट्रल जेल में ११४ मनोरोगी हैं। रायगड जेल में १०९ और यवतमाल जिला जेल में ८६ मनोरोगी हैं। अकोला में ५४ मनोरोगी कैदी हैं, जबकि लातूर और जलगांव की जेलों में क्रमश: ५६ और ३८ मनोरोगी कैदी हैं। नासिक जेल में ५० मनोरोगी कैदी हैं। इसी तरह मुंबई के यरवदा और तलोजा सेंट्रल जेल में मनोरोगी कैदी के बारे में बार-बार अनुरोध के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि, इन दोनों सेंट्रल जेलों में मानसिक रूप से बीमार कैदी की एक बड़ी संख्या है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, इनमें से अधिकांश बैंदी पहले से ही नशे के आदी हैं, जिसका असर उनके दिमाग पर पड़ रहा है और वे मानसिक रोगों के शिकार हो रहे हैं। ठाणे सेंट्रल जेल में ६०० से अधिक महिला कैदी हैं और उनमें से सौ से अधिक का मानसिक बीमारियों का इलाज चल रहा है। इनमें से कई महिलाएं अवसादग्रस्त पाई गई हैं। हर महिला सेल में छह से आठ महिला बैंदी हैं। कई महिलाएं अपर्याप्त जगह और गंदगी के कारण भी नींद की कमी से पीड़ित होती हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ट डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि महिला कैदीयों की स्थिति अन्य जेलों में भी ऐसी ही है। गंभीर बात यह है कि मानसिक रोगों के इलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग के पास पर्याप्त संख्या में डॉक्टर भी नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत मनोचिकित्सक और अन्य कर्मचारियों के पद बड़े पैमाने पर रिक्त पड़े हैं। अक्सर इन मनोरोगी कैदियों को नियमित आधार पर कुछ दवाएं देने की आवश्यकता होती है। अगर कैदियों को दवा नहीं मिलती तो वे उत्तेजित होकर चिल्लाने लगते हैं। इतना ही नहीं, कभी-कभी ये हिंसक भी हो जाते हैं। स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों का कहना है कि इस वजह से उन्हें दूसरी दवाएं दी जाती हैं, क्योंकि उनके पास वह दवा नहीं है, जिसकी उन्हें जरूरत है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग इस पर सीधे तौर पर बोलने को तैयार नहीं है। जेल नियमों के मुताबिक, जेलों में आनेवाले प्रत्येक कैदी का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण कराना अनिवार्य है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने कहा कि डॉक्टरों की अपर्याप्त उपलब्धता के कारण ऐसी जांच अक्सर नहीं की जाती हैं।

प्रदेश की सड़कें बनीं मौत का हाईवे ! पांच महीनों में सड़क हादसों में ६,४७३ लोगों की मौत

मुंबई : सड़क परिवहन के लिहाज से अहम राज्य की सड़कें अब मौत का हाईवे बन गई हैं। हाईवे पर हवा की गति से चल रही गाड़ियों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। पिछले पांच महीनों में राज्य में ५ हजार ८९७ जानलेवा दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें ६,४७३ लोगों की जान चली गई है। दुर्घटनाओं में पीड़ितों की संख्या चिंताजनक है। समृद्धि हाईवे पर एक प्राइवेट लग्जरी बस हादसे में २५ लोगों की जान चली गई है इसलिए, सड़क दुर्घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों का मुद्दा एक बार फिर से सामने आया है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई तक पांच महीने की अवधि में हाईवे पर करीब ६ हजार हादसे हुए हैं और पीड़ितों की संख्या भी ज्यादा है। पिछले साल इसी समय के दौरान ६,३३७ दुर्घटनाओं में ६,९१५ लोग मारे गए थे। ये हादसे वाहनों की बढ़ती रफ्तार के कारण हो रहे हैं। चूंकि दुर्घटना के शिकार ९० प्रतिशत पुरुष होते हैं इसलिए उनके परिवार को आर्थिक रूप से संकट का सामना करना पड़ता है। अन्य हाईवे पर हो रही दुर्घटनाएं तेज गति से वाहन चलाने और ब्रेक फेल होने की वजह से हो रही हैं लेकिन समृद्धि एक्सप्रेस-वे पर अधिकतर घटनाएं हाईवे हिप्नोसिस की वजह से हो रही हैं। हाईवे हिप्नोसिस को दूर करने के लिए सरकार को थोड़ी-थोड़ी दूरी पर एक स्ट्रिक्ट स्टॉप बनाना चाहिए, जिसकी वजह से लोग कुछ देर रुकेंगे और हाईवे हिप्नोसिस से बच सकेंगे। लगातार एक ही स्थिति में काफी दूरी तक गाड़ी चलाने से दिशा परिवर्तन का बोध ही नहीं होता जिसकी वजह से लोग एक्सीडेंट का शिकार हो जाते हैं।

धड़ल्ले से हो रही मुंबई में खुदाई :तो क्यों ना हो लैंडस्लाइड

मुंबई : मुंबई महानगर पालिका देश की सबसे धनी मनपा है। विश्व के टॉप शहरों में शुमार मुंबई लोगों की पहली पसंद है। यही वजह है कि यहां आलीशान और गगनचुंबी इमारतों की संख्या लगातार बढ़ रही है। बिल्डरों द्वारा बड़ी-बड़ी परियोजनाएं शुरू हैं और मुंबई में जमकर खुदाई हो रही है, जिसके चलते पिछले कुछ दिनों से यहां लैंडस्लाइड अर्थात भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं। बुधवार को चूनाभट्टी में हुई लैडस्लाइड की घटना में ५० से अधिक छोटे- बड़े वाहन दब गए। हालांकि, किसी की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन इससे अगल- बगल की इमारतें डगमगा गईं। सुरक्षा रक्षकों ने आस-पास की इमारतों को खाली कराया। मुंबई में यह पहली घटना नहीं है। लेकिन ऐसी घटनाओं के आम होने से लोगों में डर बढ़ गया है। मुंबई में कई जगहों पर बड़ी तेजी से गगनचुंबी इमारतों का निर्माण किया जा रहा है। इमारतों को बनाने के लिए बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू है। बिल्डर नियमों की अनदेखी कर जगह-जगह खुदाई कर रहे हैं। जिसके चलते कई जगहों पर, लैंडस्लाइड की घटनाएं हो रही हैं। मुंबई में लगभग ५ हजार से अधिक अलग-अलग निर्माणाधीन परियोजनाएं शुरू हैं। इनमें से लगभग ४.२ हजार इमारतों का निर्माण कार्य शुरू है। यह काम मुंबई के अलग-अलग हिस्सों में शुरू है। कुछ दिनों पहले ही बिल्डर ने दहिसर के मागाठाणे मेट्रो स्टेशन से सटाकर एक और गहरा गड्ढा खोद दिया है जिसके चलते बारिश होने पर लैंडस्लाइड हो गया और मेट्रो स्टेशन खतरे में आ गया है। मेट्रो स्टेशन के बड़े हिस्से के नीचे से जमीन खिसक गई है। बिल्डर के खिलाफ नोटिस जारी किया गया लेकिन यही नोटिस यदि पहले दी गई होती तो शायद यह घटना नहीं हुई होती। लगभग ३ साल पहले वडाला में दोस्ती रियल एस्टेट की तरफ से शुरू खुदाई के काम से इस तरह की घटना हुई थी, जिसमें बगल की इमारत लॉयड स्टेट की बाउंड्री सहित पार्किंग का हिस्सा पूरा ढह गया था, यहां भी लगभग २०-२५ गाड़ियां दब गई थीं। लॉयड स्टेट इमारत भी हिल गई थी, जिसके डर से लॉयड स्टेट की दोनों इमारतों को खाली करा दिया गया था। इस घटना में कई मजदूर भी दबकर मर गए थे। हालांकि, इस पर कोई स्पष्टीकरण नहीं आ पाया था। बुधवार को भारी बारिश के कारण चूनाभट्टी के पास वसंतदादा कॉलेज पाटील से सटकर एसआरए परियोजना के तहत एक बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा था। इसके लिए यहां खुदाई की गई है। रात को बारिश होने के बाद यहां भूस्खलन हो गया और सड़क पर खड़ी लगभग ५० गाड़ियां खाईनुमा गड्ढे में गिर गईं।

आधे कर्मचारी गायब! वडाला आरटीओ को है ४४ प्रतिशत भर्ती की जरूरत

मुंबई : मुंबई के वडाला स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) कर्मचारियों की भारी कमी की मार से जूझ रहा है, जिससे जनता को कुशलतापूर्वक सेवा देने की क्षमता प्रभावित हो रही है। कर्मचारियों के लगभग ४४ प्रतिशत पद रिक्त पड़े हैं, जिससे वर्तमान कार्यबल अत्यधिक कार्यभार के बोझ तले दब गया है। यह कमी कई वर्षों से बनी हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों और जनता दोनों पर प्रभाव पड़ा है। कर्मचारियों की चुनौतियों के बावजूद, वडाला आरटीओ में ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने, लाइसेंस रिन्यूअल, वाहन पासिंग, वाहन फिटनेस प्रमाण-पत्र और नए वाहन पंजीकरण जैसी सेवाओं की तलाश में लगभग १,५०० विजिटर प्रतिदिन आते हैं। प्रत्येक दिन औसतन १५० लाइसेंस बनाए जाते हैं। २०० से अधिक नए वाहन पंजीकृत किए जाते हैं। इससे आरटीओ लगभग ४५० करोड़ रुपए का वार्षिक राजस्व उत्पन्न करता है। सूत्रों के अनुसार, वडाला आरटीओ में वर्तमान में कार्यरत लगभग ८० व्यक्तियों के सीमित कार्यबल में से कोई समर्पित सफाई कर्मचारी नहीं है। सूत्र बताते हैं कि कार्यालय परिसर के भीतर साफ-सफाई की लागत को कवर करने के लिए कर्मचारी अपने वेतन से योगदान करते हैं। यह आरटीओ के दिन-प्रतिदिन के कार्यों में सहायता के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की सख्त आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। दिलचस्प बात यह है कि कार्यालय के लिए कुल सेंक्शनड क्लर्क पोस्ट ४६ हैं, वर्तमान में केवल १८ ही क्लर्क काम कर रहे हैं, जिससे कई पद खाली हैं। वर्तमान में अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसलिए सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। इसके अलावा सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर के दो स्वीकृत पदों में से एक पद खाली पड़ा हुआ है। सूत्र ने कहा, कर्मचारियों की यह कमी मौजूदा कार्यबल पर अत्यधिक बोझ डालती है, जिससे काम के तेजी में कमी आती है और सेवा वितरण में कुछ समय की संभावित देरी होती है। इसके अलावा वडाला आरटीओ कई महीनों से स्थाई कार्यालय प्रमुख के बिना है। आरटीओ पद खाली होने के कारण कर्तव्यों को डिप्टी आरटीओ को सौंपा गया है, जो अब दोहरी भूमिका निभाते हैं। यह स्थिति केवल वडाला के लिए नहीं है, बल्कि डिप्टी आरटीओ की पदोन्नति में देरी के कारण राज्य भर के अन्य आरटीओ तक पैंली हुई है। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मौजूदा स्टाफ की कमी और स्थाई आरटीओ की अनुपस्थिति वडाला आरटीओ के कुशल कामकाज के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां खड़ी करती हैं। यह जरूरी है कि संबंधित अधिकारी रिक्त पदों को भरने, पर्याप्त स्टाफ स्तर को सुनिश्चित करने और आवश्यक संसाधन प्रदान करने के लिए तेजी से कार्रवाई करें। कार्यालय के लिए प्रभावी ढंग से जनता की सेवा करना। केवल इन उपायों से ही अपने कर्मचारियों पर बोझ कम किया जा सकता है और वह गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान की जा सकती है, जिसकी जनता हकदार है।

ठाणे महानगरपालिका, ठाणे
प्रादेशिक आपत्ती व्यवस्थापन कक्ष

नियंत्रण कक्ष	दूरध्वनी क्रमांक
जवाहर बाग अग्निशमन केंद्र	१०१/२५३३१६००/२५३३४२१६
कोपरी अग्निशमन केंद्र	२५३२५३१३
वागळे इस्टेट अग्निशमन केंद्र	२५८२३४७७/२५८२३५४७/ २५८२०६६०
बाळकूम अग्निशमन केंद्र	२५३६६७०२/२५३६६४०१
ओवळा अग्निशमन केंद्र	७७१००४८९६४/७७१०००८९६४
मुंब्रा अग्निशमन केंद्र	२५४६२४२४/२५४६२४४४
पांचपाखाडी अग्निशमन केंद्र	२५३३१३९९/२५४४०७९९/ २५४४०७९८/२५३६३१०१
रुस्तमजी अग्निशमन केंद्र	२५४४००२०
शिळ अग्निशमन केंद्र	७३०४९३९१०१, ७३०४४६२१०१, ७३०४४९३१०१
जिल्हा आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरण, ठाणे	१०७७/२५३८१८८६/ फॅक्स-२५३४९२००

नियंत्रण कक्ष	दूरध्वनी क्रमांक
ठाणे पोलिस नियंत्रण कक्ष	२५४४२८२८/३५३५/३६३६
शहर वाहतुक नियंत्रण कक्ष	८२८६ ३०० ३०० / ४०० ४००
शासकीय रुग्णवाहिका सेवा	१०८
नौपाडा-कोपरी प्रभाग समिती	२५३२५१६६/२५३३४४७१
उथळसर प्रभाग समिती	२५४७३५६८/२५४७३५४१
वागळे इस्टेट प्रभाग समिती	२५८२६८९१/२५८२६८९०
लोकमान्य-सावरकरनगर प्र.स.	२५८८५०४३/२५८८५८०१
वर्तकनगर प्रभाग समिती	२५८८५८०१/२५८८५०४३
मा.मानपाडा प्रभाग समिती	२५४४७२२०/२५४०२३७५
कळवा प्रभाग समिती	२५४१०४७०
दिवा प्रभाग समिती	९३२१५९७७७१

४ मीटरपेक्षा जास्त मोठी भरती येण्याचा दिनांक, वार, वेळ आणि उंची
(सौजन्य: महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड)

● जुलै २०२३ ●

दिनांक	वार	वेळ	उंची(मी.)
०२.०७.२३	रविवार	१३:००	०४.११
०३.०७.२३	सोमवार	१३:४५	०४.३४
०४.०७.२३	मंगळवार	१४:४५	०४.५०
०५.०७.२३	बुधवार	१५:१५	०४.५५
०६.०७.२३	गुरुवार	१६:१५	०४.५१
०७.०७.२३	शुक्रवार	१७:००	०४.३९
०८.०७.२३	शनिवार	१७:४५	०४.२०
१७.०७.२३	सोमवार	१३:४५	०४.०१
१८.०७.२३	मंगळवार	१४:३०	०४.१०
१९.०७.२३	बुधवार	१५:००	०४.१३
२०.०७.२३	गुरुवार	१५:३०	०४.१३
२१.०७.२३	शुक्रवार	१६:००	०४.०८
२२.०७.२३	शनिवार	१६:३०	०४.००
३१.०७.२३	सोमवार	१२:४५	०४.१४

● ऑगस्ट २०२३ ●

दिनांक	वार	वेळ	उंची(मी.)
०१.०८.२३	मंगळवार	१३:३०	०४.३९
०२.०८.२३	बुधवार	१४:१५	०४.५५
०३.०८.२३	गुरुवार	१५:००	०४.६०
०४.०८.२३	शुक्रवार	१५:४५	०४.५४
०५.०८.२३	शनिवार	१६:३०	०४.३८
०६.०८.२३	रविवार	१७:००	०४.१४
१६.०८.२३	बुधवार	१४:००	०४.०६
१७.०८.२३	गुरुवार	१४:३०	०४.११
१८.०८.२३	शुक्रवार	१५:००	०४.१२
१९.०८.२३	शनिवार	१५:३०	०४.०८
२०.०८.२३	रविवार	१६:००	०४.००
२९.०८.२३	मंगळवार	१२:३०	०४.१५
३०.०८.२३	बुधवार	१३:१५	०४.३७
३१.०८.२३	गुरुवार	१४:००	०४.४९

● सप्टेंबर २०२३ ●

दिनांक	वार	वेळ	उंची(मी.)
०१.०९.२३	शुक्रवार	१४:३०	०४.५०
०२.०९.२३	शनिवार	१५:१५	०४.४१
०३.०९.२३	रविवार	०३:३०	०४.००
०३.०९.२३	रविवार	१५:४५	०४.२१
१५.०९.२३	शुक्रवार	१४:००	०४.०३
१६.०९.२३	शनिवार	१४:१५	०४.०३
२७.०९.२३	बुधवार	१२:००	०४.०९
२८.०९.२३	गुरुवार	१२:४५	०४.२४
२९.०९.२३	शुक्रवार	१३:३०	०४.३०
३०.०९.२३	शनिवार	०१:४५	०४.११
३०.०९.२३	शनिवार	१४:००	०४.२७

हेल्पलाईन - ०२२ २५३७१०१० | भ्रमणध्वनी - ८६५७८८७१०१/८६५७८८७१०२
Email:rdmc@thanecity.gov.in | Website:www.thanecity.gov.in

आयुक्त दिलीप ढोले के राज में अवैध बांधकाम की भरमार

मीरारोड : सर्वे नंबर ७९ का वन मांडवी पाडा साडी कंपनी के लाइन में आयुक्त ने तोडा था पतरे की रूम थी रातो रात अवैध बांधकाम करके विकासक ने पक्का रूम बनाकर बाहर से पत्रा लगाया. क्या आयुक्त महोदय फिर से तोडेंगे अवैध रूम को जनता टूटा हुआ देखना चाहती है शिकायत विधायक प्रताप सरनाईक से भी कि गई है लोगों ने कहा कि ईमानदार आयुक्त इसे तोडे, हमें पूरा विश्वास है आयुक्त महोदय अवैध बनाई गई रूम को तोडक़र दूध का दूध पानी का पानी करेंगे जनता को टूटी हुई रूम में देखने को मिलेगी ऐसी जनता में चर्चा जोरों पर चल रही है.

बी स्ट्रांक फिटनेस जीम पर मनपा का कब चलेगा हथोडा

मीरारोड : पुनम सागर में श्मशान रोड पर बी स्ट्रांक फिटनेस जीम के विकास वने जो वाढीव बांधकाम किया है इस पर आज तक तोडक कारवाई नहीं हुई है. गरीबों के झोपडे तोडनेवाले मनपा आयुक्त दिलीप ढोले बंद आंखे खोले और जीम के अवैध निर्माण पर तोडक कारवाई करें. और एमआरटीपी ॲक्ट के तहत गुन्हा दाखल करे ऐसी जनता की मांग है. कब होगी तोडक कारवाइ आयुक्त जनता देखना चाहती है.

चक्काजाम को लेकर जनता परेशान, जानमाल का हो रहा है नुकसान

मुंबई : महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली ईडी सरकार सूबे में विपक्षी दलों के साथ घात की सियासत में व्यस्त है। ऐसे में रोजमर्रा की जरूरतों एवं रोजी-रोटी की तलाश में घर से निकलने को मजबूर सूबे की जनता को उक्त घाती सरकार की उदासीनता की कीमत चुकानी पड़ रही है। सड़कों के खस्ताहाल होने अथवा सड़कों पर आए दिन होनेवाले हादसों के कारण लोगों के जान-माल का नुकसान तो हो ही रहा है। इन वजहों से लगनेवाले ८-८ घंटों के जाम के कारण शारीरिक-मानसिक परेशानियों एवं बेशकीमती समय की बर्बादी के अलावा जनता को आर्थिक नुकसान भी भुगतना पड़ रहा है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव कल मीरा-भायंदर क्षेत्र अंतर्गत वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे से गुजरनेवाले वाहन चालकों को भुगतना पड़ा। बता दें कि वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर कल भयंकर जाम लगा था, इससे वहां से मीरा-भायंदर क्षेत्र में रहनेवाले व्यवसायी गजेंद्र भंडारी ने बताया कि रोज की तरह वे कल भी सुबह ८ बजे घर से नायगांव (वसई) क्षेत्र में स्थित अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए निकले थे। आमतौर पर उन्हें जिस दूरी को तय करने में २० से २५ मिनट लगते थे, जाम के कारण वहां तक वे करीब साढ़े चार घंटे बाद भी नहीं पहुंच सके। भंडारी ने बताया कि उन्हें मार्ग में ससुनवघर से मालजीपाड़ा तक ही पहुंचने में लगभग ढाई घंटे लग गए। इससे उनकी हिम्मत पस्त हो गई। उन्होंने कार्यस्थल पर न जाने का निर्णय लिया। उन्होंने किसी तरह वहां से यूटर्न लिया लेकिन फिर भी वे दोपहर में करीब साढ़े चार बजे ही घर पहुंच सके। हाइवे से गुजरनेवाले एक टैक्सी चालक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि फाउंटेन होटल के पास घोड़बंदर रोड पर एस्केवेटिंग मशीन लदे एक लॉन्ग ट्रेलर के हादसाग्रस्त होने से बोरीवली से वसई के बीच भयंकर जाम लग गया, जिसका असर बांद्रा और विरार के बीच पूरे हाइवे और उससे लगे मार्गों पर देखने को मिला। हाइवे से गुजरने के दौरान शौचालय, पीने का पानी आदि उपलब्ध न होने से लोग खासे परेशान दिखे। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों को इस दौरान बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस बारे में ट्रैफिक पुलिस के पीआई देवीदास हंडोर ने बताया कि ७ जुलाई को भोर में ३ बजे के करीब घोड़बंदर रोड क्षेत्र में मीरा रोड से ठाणे की ओर जानेवाले मार्ग पर ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय की हद में गायमुख स्थित ढलान पर पायलिंग मशीन ले जा रहा ट्रेलर पलट गया था। उक्त ट्रेलर ट्रक व पायलिंग मशीन को कासारवडवली ट्रैफिक पुलिस की मदद से हटाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तीन क्रेनों की मदद से कल (८ जुलाई २०२३) को दोपहर में दो बजे हादसाग्रस्त वाहन एवं मशीन को हटाकर अवरोध को खत्म किया गया और मुंबई से ठाणे की ओर जानेवाला रास्ता साफ किया गया। मुंबई-अमदाबाद महामार्ग पर ठाणे की दिशा में एक ट्रेलर पलट गया था। ट्रेलर भारी भरकम होने की वजह से उसे सड़क से हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे महामार्ग पर जाम लग गया था। अब कंटेनर को हटा दिया गया है।

नानेगांवकर के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना और पुष्पगुच्छ देकर किया सत्कार

जेकेएस संवाददाता

भाईंदर। मीरा-भाईंदर महानगर पालिका मनपा-आयुक्त व प्रशासक दिलीप ढोले के मार्गदर्शन में (मुख्यालय) के पहले माले पर व्याप्त जल-विभाग के कार्यकारी अभियंता शरद नानेगांवकर के कक्ष में स्वच्छ-सर्वेक्षण के तहत मनपा द्वारा विविध-अभियानों को ध्यान में रखते हुवे संकल्पना चित्रों का फलक लगाया गया है। जो फलक जल शक्ति अभियान के तहत संचय जल, बेहतर कल के तहत लगाए गए फलक को देखकर लोगों ने सराहना की है। उक्त फलक व जल- कार्यकारी अभियंता शरद नानेगांवकर के कक्ष का मनपा-आयुक्त दिलीप ढोले, उपायुक्त रवि पवार आदि मनपा-अधिकारियों ने दौरा किया तथा नानेगांवकर के उत्कृष्ठ कार्यों की सराहना की तथा पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। गौरतलब है कि, इस फलक में जल-संचय विषय पर फ्रेम के भीतर ' जल शक्ति अभियान ' के तहत विविध जनजागृति के तहत उपक्रम के संकलन का बहुत ही बेहतर ढंग से चित्रांकन किया गया है। इस फलक में जलकुंभ हो, मल:निसारण केंद्र हरित पट्टा हो, कचरा संकलन संबंधी, साथ में सोलर सिस्टम हो या वृक्षारोपण विषय से संबंधित संकल्पना को साकार करने का बेहतर ढंग से प्रयास किया गया है। इस फलक को मनपा के अधिकारियों, नगरसेवकों, पत्रकारों ने देखकर सराहना की है।

मीरा भाईंदर की सडको पर दौडेगी इलेक्ट्रिक बसें

भायंदर : मीरा भायंदर महानगरपालिका की परिवहन सेवा में शीघ्र ही अत्याधुनिक और पर्यावरण के अनुकूल ५७ इलेक्ट्रिक बसें शामिल होंगी। मनपा की परिवहन सेवा को सक्षम बनाने और नागरिकों को अधिक से अधिक इस सेवा का लाभ देने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में इलेक्ट्रिक बसों के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण की गई थी। इसमें मे.पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के टेंडर को मंजूरी दी गई है। मंगलवार ४ जुलाई को मीरा भायंदर मनपा आयुक्त और प्रशासक दिलीप ढोले ने इलेक्ट्रिक बस में डेमो यात्रा की और बस का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त एवं परिवहन प्रबंधक अनिकेत मानोरकर, परिवहन उपप्रबंधक योगेश गुणीजन, प्रशासकीय अधिकारी दिनेश कांगुडे एवं बस निर्माता में.पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। मीरा भायंदर परिवहन सेवा (एमबीएमटी) के माध्यम से ७४ बसों में से ७० बसें प्रतिदिन नागरिकों की सेवा में उपलब्ध हैं। शहर में दिनोदिन बस यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से ५७ नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने का निर्णय लिया गया है। इसमें ९ मीटर लंबाई वाली कुल ३२ नॉन-एसी बसें और १२ मीटर लंबाई वाली कुल २५ बसें अगले कुछ दिनों में परिवहन सेवा में शामिल हो जाएंगी। १२ मीटर लंबाई की २५ बसों में से १० बसें एसी (वातानुकूलित) होंगी। जबकि १५ बसें नॉन एसी होंगी। बस निरीक्षण के दौरान आयुक्त ढोले ने निर्माताओं को कुछ जरूरी बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। ५७ आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बसों का पहला चरण अगस्त २०२३ में मीरा भायंदर मनपा परिवहन सेवा में शामिल होगा। वर्तमान में मीरा भायंदर मनपा परिवहन सेवा का दैनिक लाभ उठाने वाले यात्रियों की संख्या ९० हजार तक पहुंच गई है और मनपा परिवहन प्रबंधन ने यात्रियों की संख्या को १ लाख २५ हजार तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

फ्लेटफॉर्म पर शेड का हिस्सा न होने से यात्रियों को परेशानी

जेकेएस संवाददाता

भायंदर । अगर आपको मुफ्त में शॉवर का मजा चाहिए तो पश्चिम रेलवे के मीरा रोड स्टेशन पर पहुंच जाइए। यहां लोकल ट्रेन की यात्रा के साथ शॉवर का आनंद मिल रहा है। हालांकि इससे यात्री खुश नहीं बल्कि दुखी हैं। दरअसल प्लेटफार्म संख्या एक पर मध्य भाग में कुछ दूर तक प्लेटफार्म के ऊपर छप्पर(शेड) नहीं हैं। जिसके चलते बारिश के मौसम में ट्रेन में चढ़ते उतरते समय यात्री भींग जाते हैं। इससे बचने के लिए उन्हें छतरियों का आड़ लेना पड़ता है।भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता गजेंद्र भंडारी ने बताया कि ट्रेन के कुछ डिब्बे खुले प्लेटफार्म पर आकर लगते हैं।ट्रेन से उतरने वाले कुछ यात्री छाता के सहारे तो बच जाते हैं। लेकिन जिनके पास छतरियां नही होती है,और वे भींग जाते हैं।ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों को शेड वाले हिस्से में खड़ा रहना पड़ता है। जब ट्रेन आती है तो भाग कर उन्हें जाना पड़ता है। ऐसे में यात्रियों के गिरने और टकराने के वाकए भी होते हैं। भंडारी ने कहा कि जिन यात्रियों के पास छतरी नहीं होती है,वे भायंदर स्टेशन पर आकर उतरते हैं और वापस ट्रेन पकड़कर मीरा रोड आते हैं।प्लेटफार्म पर ब्रिज बनाने का काम चालू है। लोहे के गार्डर से ढांचा तैयार किया जा रहा है। बरसात के मौसम में यहां अस्थाई रूप से शेड लगाया जा सकता था। लेकिन अधिकारियों की अदूरदर्शिता के कारण प्लेटफार्म खुला छोड़ दिया गया है।

डॉक्टरों, नर्सों के अत्याचार पर की प्रेसवार्ता

जेकेएस संवाददाता

मीरा रोड: इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और हॉस्पिटल बोर्ड ऑफ इंडिया के २ दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन ८ और ९ जुलाई को मीरा रोड पूर्व के जीसीसी क्लब में किया गया है. इस सम्मेलन और मेडिकल क्षेत्र की जरूरतें, दिक्कतें और मांग की जानकारी देने के लिए पत्रकार परिषद का आयोजन किया गया था. पत्रकारों से संवाद के दौरान आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. शरद अग्रवाल ने देश में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों पर होने वाले हमले के प्रति चिंता जाहिर की. साथ ही इसके खिलाफ कडे. कानून बनाए जाने की मांग की. २ दिवसीय सम्मेलन में डॉ. अग्रवाल, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. जयेश लेले सहित ३० राष्ट्रीय प्रतिनिधि, आईएमए महाराष्ट्र राज्य अध्यक्ष डॉ. रवींद्र काटे सहित ६० राज्य प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं. आईएमए एचबीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. ए. के. रविकुमार, सचिव डॉ. दिनेश ठाकरे, कोषाध्यक्ष और आयोजन सचिव डॉ. राजीव अग्रवाल, आयोजन अध्यक्ष डॉ. राखी अग्रवाल, आईएमए मीरा भायंदर के अध्यक्ष डॉ. संजय मेहरा, सचिव डॉ. अमोल जाधव, पूर्व अध्यक्ष डॉ. विवेक द्विवेदी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास किया.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI